(d) the State from which the large quantity was exported ;

The Minister of Commerce and Industry and Iron and Steel (Shri T. T. Krishnamachari) : (a) to (d). Separate statistics for individual fruits like mangoes are not maintained in the Sea-borne Trade Accounts.

Import Policy

838. **Shri V. P. Nayar :**
Shri N. B. Chowdhury :
Shri Kamath :

Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the All India Importers Association has represented to Government that the import policy for July—December, 1955 has been so modified as to prejudice the consumers' interests ;

(b) whether in its representation the Association has protested against the 'monopoly imports";

(c) whether the policy of liberal *ad hoc* licences has also been opposed ;

(d) whether Government propose to investigate into the matter; and

(e) if so, through which agency or authority ?

The Minister of Commerce and Industry and Iron and Steel (Shri T. T. Krishnamachari) : (a) to (c). Yes, Sir.

(d) Government see no need to investigate in the matter of a policy deliberately laid down but this and other similar matters are reviewed every half year.

(e) Does not arise.

लंदन स्थित भारतीय हाई कमीशन का वाणिज्य विभाग

८३६. **श्री के० सी० सोधिया** : क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आजकल लन्दन में भारतीय हाई कमीशन के वाणिज्य विभाग में कितने पदाधिकारी हैं;

(ख) उस म गर-भारतीय कितने हैं ;

(ग) इस विभाग के कर्तव्य और कार्य क्या हैं ; और

(घ) वह वहां पर कितने दिनों से काम कर रहा है ?

वाणिज्य और उद्योग तथा लोहा और इस्पात मंत्री (श्री टी० टी० कृष्णमाचारी) : (क) लन्दन में भारतीय हाई कमीशन के वाणिज्य विभाग में कर्मचारियों की कुल संख्या इस प्रकार है :—

अफसर	२२
क्लर्क आदि	४३

(ख) इन म गैर-भारतीयों की संख्या २५ है ।

(ग) वाणिज्य विभाग भारतीय हाई कमीशन के राजनैतिक विभाग का प्रतिरूप है । इस विभाग के मुख्य कार्य ये हैं :— भारत और ब्रिटेन के मध्य व्यापार सम्बन्ध बढ़ाना, विशेषत: भारत के व्यापार का ब्रिटेन के साथ विकास करना, और इस देश के सामान्य विकास के लिये ब्रिटेन तथा भारत की फरमों के मध्य टैक्नीकल अथवा अन्य प्रकार के सहयोग की सम्भावनाओं की जांच करना । चूंकि ब्रिटेन स्टर्लिंग क्षेत्र का, जिस में भारत भी शामिल है, प्रमुख सदस्य है, इसलिये वाणिज्य विभाग ब्रिटिश ट्रेजरी, बोर्ड आफ ट्रेड और कामन वैल्थ सम्पर्क समिति, जैसी समितियों से घनिष्ट सम्पर्क रखता है तथा भारत के लिये महत्व रखने वाली समस्त घटनाओं की सरकार को सूचना भेजा करता है ।

(घ) लन्दन में भारतीय हाई कमीशन का वाणिज्य विभाग १९४८ में खोला गया था ।

Volatile Oils

840. Shri V. P. Nayar : Will the Minister of **Production** be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the production of volatile oils in India is on the increase since 1950; and